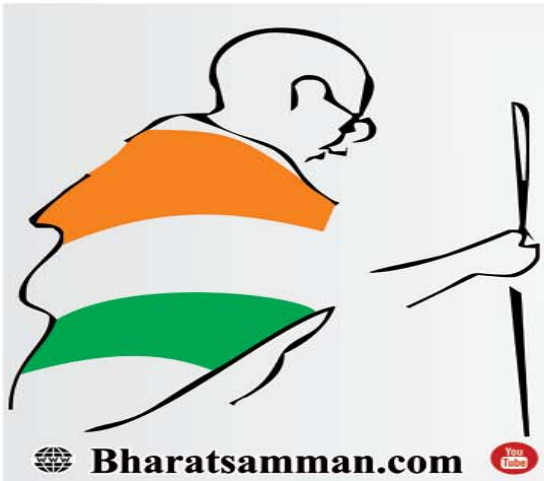

12 वर्ष निर्भीक पत्रकारिता के

अब 13 वें वर्ष की ओर

पाठकों/दर्शकों का असीम स्नेह

RNI No. CHHHIN/2011/38292

भारत सम्मान NEWS

हो जाओ सावधान...

Bharatsamman.com | Bharat samman | Bharat Samman

वर्ष-13 अंक-155 | अम्बिकापुर, बुधवार, 29 नवम्बर 2023 | कुल पृष्ठ-4 मूल्य-1.00 रू.

सिलक्यारा सुरंग में 400 घंटों की जंग के बाद जीतीं 41 जिंदगियां

उत्तरकाशी। देश-दुनिया के करोड़ों लोग जिस घड़ी का पिछले 17 दिन से बेसब्री के साथ इंतजार कर रहे थे, वह आखिरकार मंगलवार को आ ही गई। यह घड़ी थी उत्तराखंड के सिलक्यारा (उत्तरकाशी) स्थित निर्माणाधीन सुरंग में 12 नवंबर से फंसे 41 श्रमिकों के 'भारत माता की जय' के उद्घोष और आतिशबाजी के बीच सकुशल बाहर आने की। जिंदगी की एक जंग सुरंग में फंसे श्रमिक लड़ रहे थे और दूसरी सुरंग के बाहर देश-विदेश से आए तमाम विशेषज्ञ, जनप्रतिनिधि, श्रमिकों के स्वजन और स्थानीय ग्रामीण। जंग को मंजिल तक पहुंचाने के लिए केंद्र और राज्य सरकार ने पूरी ताकत झोंक रखी थी।

आखिरकार जिंदगी की हुई जीत

लगभग 400 घंटे चली राहत एवं बचाव की जंग में आखिरकार जिंदगी की जीत हुई और सुरंग में कैद श्रमिकों ने खुली हवा में सांस ली। सुरंग से सकुशल बाहर आने के बाद श्रमिकों के चेहरे पर जो खुशी थी, उसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। भले ही जिंदगी की जंग श्रमिकों ने जीती थी। मगर विजय के भाव बाहर डटी मशीनरी के नायकों के चेहरे पर भी तैर रहे थे।यह भाव थे बेहद जटिल अभियान के मंजिल तक पहुंचने की खुशी के, जिसके लिए हर कोई दुआ मांग रहा था। संभवत- यह देश का पहला ऐसा बड़ा अभियान है, जो इतनी लंबी अवधि तक चला और बावजूद इसके सभी पीड़ितों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

जिंदगी की जीत का बिगुल

17 दिन से चली आ रही राहत एवं बचाव की अनवरत जंग में जिंदगी की जीत का बिगुल मंगलवार दोपहर करीब डेढ़ बजे तब बजा, जब 57 मीटर पर निकास सुरंग का आखिरी स्टील पाइप मलबे को भेदकर अंदर फंसे श्रमिकों तक पहुंचा। हालांकि, अभियान में शुरू से खड़ी हो रही बाधाओं का दौर अब भी जारी था। श्रमिकों को बाहर निकालने के लिए एनडीआरएफ और एसडीआरएफ के जवान निकास सुरंग से भीतर दाखिल हुए तो मालूम चला कि जिस स्थान पर पाइप आर-पार हुआ, वहां पानी जमा था। ऐसे में पाइप को और आगे बढ़ाने का निर्णय लिया गया, ताकि पानी या ऊपर से ताजा मलबा आने की दशा में श्रमिक सुरक्षित रहें। इसके बाद निकास सुरंग में तीन मीटर पाइप और जोड़कर आगे धकेला गया। इस काम में करीब तीन घंटे और लग गए। सभी व्यवस्था पुख्ता किए जाने के बाद एनडीआरएफ और एसडीआरएफ के जवान फिर से सुरंग में दाखिल हुए और बिना पल गंवाए स्ट्रेचर ट्राली से एक-एक कर श्रमिकों को बाहर निकालना शुरू किया। करीब डेढ़ घंटे में सभी श्रमिकों को निकास सुरंग से दूसरे छोर पर सुरंग के खुले हिस्से में पहुंचा दिया गया। यहां श्रमिकों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए पहले से मेडिकल कैंप तैयार था। राहत की बात रही कि सभी श्रमिकों का स्वास्थ्य सामान्य पाया गया। जिंदगी की जंग जीतकर आए श्रमिकों के लिए दीपावली जैसा माहौल था।

औगर मशीन से ड्रिलिंग शुरू होने के बाद बढ़ी उम्मीदें

सुरंग में फंसे श्रमिकों को सकुशल बाहर निकालने की पहली उम्मीद तब परवान चढ़ी, जब 21 नवंबर की रात पौने एक बजे 17 नवंबर से बंद पड़ी औगर मशीन ने दोबारा ड्रिलिंग शुरू की। श्रमिकों को बाहर निकालने के लिए निकास सुरंग की ड्रिलिंग 22 नवंबर की मध्य रात्रि के आसपास 45 मीटर तक पूरी की जा चुकी थी। श्रमिकों तक पहुंचने के लिए 12 से 15 मीटर की दूरी ही शेष थी, तभी सुरंग के बाधित भाग को भेदने में सर्वाधिक मुश्किलों का सामना करना पड़ गया। क्योंकि, इस भाग में न सिर्फ मोटे सरिया थे, बल्कि मोटे पाइप, भारी तारों का जाम और सुरंग की छत की मजबूत रिब व तमाम गार्डर थे। 45 मीटर ड्रिलिंग के बाद औगर मशीन में भारी कंपन हुआ और लोहे के मजबूत अवरोधों को भेदते समय मशीन का एक पुर्जा टूट गया। साथ ही 800 मिमी व्यास का पाइप भी आगे से बुरी तरह मुड़ गया। भारी दबाव के चलते औगर मशीन का प्लेटफार्म भी अपनी जगह से खिसक गया था।

उत्तरकाशी टनल में फिर मुस्कुराई जिंदगी, पीएम मोदी ने दी सभी एजेंसियों को बधाई

उत्तराखंड सिल्कयारा टनल से निकली 41 जिंदगियां मुस्कुरा रही हैं। जिंदगी व मौत की महाभारत में मौत को मात मिली है। देश की 22 एजेंसियों ने एक साथ ऐसा काम किया है 16 दिन तक चली जिंदगी और मौत की जंग में भारतीय सेना, भारतीय वायुसेना, सीमा सड़क संगठन ने अपनी जिम्मेंदारी जबरदस्त रूप से संभाली। भारतीय वायु सेना ने तो पहले दिन से ही आपरेशन शुरू कर दिया। आगर मशीन लाने में इन्होंने की सबसे बड़ी भूमिका अदा की। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, कोल इंडिया, एनएचआईडीसीएल, जीएसआई, एसजीवीएनएल, टीएचएफसीएल और आरवीएनएल सहित कुल 22 एजेंसियों ने एक बचाव दल के रूप में काम किया। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि उत्तरकाशी में हमारे श्रमिक भाइयों के रेस्क्यू ऑपरेशन की सफलता हर किसी को भावुक कर देने वाली है। टनल में जो साथी फंसे हुए थे, उनसे मैं कहना चाहता हूं कि आपका साहस और धैर्य हर किसी को प्रेरित कर रहा है। मैं आप सभी की कुशलता और उत्तम स्वास्थ्य की कामना करता हूं। यह अत्यंत संतोष की बात है कि लंबे इंतजार के बाद अब हमारे ये साथी अपने प्रिय जनों से मिलेंगे। इन सभी के परिजनों ने भी इस चुनौतीपूर्ण समय में जिस संयम और साहस का परिचय दिया है, उसकी जितनी भी सराहना की जाए वो कम है। मैं इस बचाव अभियान से जुड़े सभी लोगों के जज्बे को भी सलाम करता हूं। उनकी बहादुरी और संकल्प-शक्ति ने हमारे श्रमिक भाइयों को नया जीवन दिया है। इस मिशन में शामिल हर किसी ने मानवता और टीम वर्क की एक अद्भुत मिसाल कायम की है।

सभी ने श्रमिकों के हौसले को किया सैल्यूट

मजदूरों के स्वागत और हौसला अफजाई के लिए स्वयं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्यमंत्री जनरल (सेनि.) वीके सिंह और तमाम अधिकारी फूलमाला लेकर खड़े थे। सभी ने श्रमिकों के हौसले को सैल्यूट किया और फिर उन्हें स्वास्थ्य के पुख्ता परीक्षण के लिए पहले से खड़ी एंबुलेंस के माध्यम से चिन्यालीसौड़ स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। इस अविस्मरणीय घड़ी का साक्षी बनने के लिए सुरंग क्षेत्र में श्रमिकों के स्वजन समेत बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण भी मौजूद थे। उनके चेहरे पर विज्ञान और आस्था के संगम से मिली जीत के प्रति संतोष व आभार के भाव तैर रहे थे तो आंखों में खुशी व राहत की चमक थी। क्योंकि, इन 17 दिनों में पल-पल बदलते हालात और बाधाओं ने सभी के धैर्य की कड़ी परीक्षा जो ली थी।

सुबह से बदला था सिलक्यारा का नजारा

सिलक्यारा में मंगलवार सुबह की शुरुआत बाकी दिनों से अलग उम्मीद, उत्साह और जोश के साथ हुई। दिन चढ़ने तक यह तय हो गया था कि सुरंग में फंसे श्रमिक जल्द ही खुली हवा में सांस ले पाएंगे। क्योंकि, तब तक राहत एवं बचाव मशीनरी की गहमागहमी तेज होने के साथ ही अभियान को संपन्न कराने की व्यवस्था जोर पकड़ने लगी थी। एंबुलेंस का काफिला सुरंग की तरफ बढ़ चला था और एनडीआरफ के साथ एसडीआरएफ के जवानों ने मोर्चा संभाल लिया था। सुरंग में कैद श्रमिकों का बाहर आते ही स्वास्थ्य परीक्षण करने के लिए सुरंग के अंदर मेडिकल कैंप तैयार किया गया था।

बाधाओं ने खूब ली परीक्षा, हौसले ने मंजिल तक पहुंचाया

सुरंग में कैद जिंदगियों को बचाने की यह जंग किसी भी दौर में आसान नहीं रही। 12 नवंबर की सुबह करीब साढ़े पांच बजे जब उत्तरकाशी जिला मुख्यालय से 50 किमी दूर सिलक्यारा में यमुनोत्री राजमार्ग पर चारधाम आलवेदर रोड परियोजना की निर्माणाधीन सुरंग में भूस्खलन हुआ तो वहां काम कर रहे आठ राज्यों के 41 श्रमिक भीतर ही फंस गए थे। श्रमिकों और सुरंग के मुख्य द्वार की तरफ खुले स्थान के बीच भारी मलबे की 60 मीटर की बाधा खड़ी हो गई थी। श्रमिकों को बचाने का अभियान तत्काल बाद श्रमिकों को पानी की चार इंच की पाइप लाइन से आक्सीजन पहुंचाने के साथ ही शुरू कर दिया गया था।

धैर्य की पल-पल परीक्षा

सुरंग में बाधा बने मलबे को हटाने के साथ शुरू किए गए इस अभियान में तब किसी ने नहीं सोचा था कि यह इतना लंबा चलेगा और धैर्य की पल-पल परीक्षा लेगा। शुरुआत में जब सुरंग का निर्माण कर रही कंपनी नवयुग और कार्यदायी संस्था एनएचआइडीसीएल ने मलबा हटाना शुरू किया तो उतना ही मलबा पहाड़ी की तरफ से नीचे आता गया। यह स्थिति बता रही थी कि सुरंग का यह हिस्सा पूरी तरह ध्वस्त भी हो सकता है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पीएमओ ने तत्काल राहत एवं बचाव की कमान अपने हाथ में ली और केंद्र व राज्य की तमाम एजेंसियों को सिलक्यारा में उतार दिया।

बाबा बौखनाग को मनाते ही आसान हुआ रास्ता

उत्तरकाशी के सिलक्यारा सुरंग में फंसे 41 मजदूरों को 400 से ज्यादा घंटों के बाद सकुशल बाहर निकाल लिया गया है। जब मजदूरों को निकालने के लिए किए जा रहे सभी प्रयास विफल साबित हो रहा था, सरकार को कोई उपाय नहीं सूझ रहा था तब स्थानीय लोगों ने बताया कि बौखनाग देवता नाराज हैं, इसलिए काम सफल नहीं हो पा रहा है। अगर सभी मजदूरों को सकुशल निकालना है तो उन्हें पहले मनाना होगा। बता दें कि दीपावली के दिन हुए सुरंग हादसे को लोग बौखनाग देवता का प्रकोप मान रहे हैं। इस बौखनाग देवता को यहां के लोग आराध्य के तौर पर पूजते हैं।

RNI No. CHHHIN/2011/38292

भारत सम्मान NEWS

अम्बिकापुर, बुधवार, 29 नवम्बर 2023

संपादकीय

चुनाव मतलब लोगों को मूर्ख बनाना!

भारत में अब सारे चुनाव आम लोगों को मूर्ख बनाने, उनको बरगलाने, निजी लाभ का लालच देने, उनकी आंखों पर पट्टी बांधने या उनकी आंखों में धूल झोंकने का उपक्रम और मौका है। पार्टियों के घोषणापत्र में भले कुछ भारी-भरकम बातें लिखी जाती हों लेकिन प्रचार में सिर्फ लोक लुभावन घोषणाएं होती हैं, जिन्हें गारंटी का नाम दिया जा रहा है। कहीं मोदी की गारंटी है तो कहीं कांग्रेस और राहुल की गारंटी है। उस गारंटी में यह है कि सरकार बनी तो हर वयस्क महिला को एक हजार से लेकर ढाई हजार रुपए तक महीना दिया जाएगा, स्कूल जाने वाले बच्चों को पांच सौ से लेकर तीन हजार रुपए तक दिए जाएंगे, महिलाओं को मुफ्त में बस यात्रा की सुविधा दी जाएगी, हर व्यक्ति को मुफ्त में पांच किलो अनाज मिलेगा, कहीं मुफ्त में घर देने की गारंटी है तो कहीं मुफ्त में शिक्षा और स्वास्थ्य की सुविधा देने की गारंटी है, कहीं स्कूटी, लैपटॉप और स्मार्ट फोन मुफ्त देने की बात है तो कहीं रसोई गैस सिलेंडर सस्ता करने का वादा है तो कहीं बिजली, पानी मुफ्त में देने की बात है। कहीं जाति गणना करा कर आरक्षण की सीमा बढ़ाने का वादा है तो कहीं अयोध्या में राममंदिर का मुफ्त दर्शन कराने की गारंटी है। कोई रैयतू बंधु है तो किसानों को सम्मान निधि दे रहा है। कोई पिछड़ा राज लाने की बात कर रहा है तो कोई हिंदू राष्ट्र बनाने का ऐलान कर रहा है। अब सवाल है कि कोई इस बात की गारंटी क्यों नहीं दे रहा है कि वह लोगों को इतना सक्षम बनाएगा कि वह खुद अयोध्या जाकर राममंदिर के दर्शन करे या पैसे देकर बस में सफर कर सके या अनाज खरीद कर अपना पेट भर सके? हां, कोई भी पार्टी नागरिकों को सक्षम बनाने, उन्हें आत्मनिर्भर बनाने, धनवान और बुद्धिमान बनाने की गारंटी नहीं दे रही है। पार्टियां बिना किसी प्लान के ऐलान कर रही हैं कि सरकार बनी तो इतने लाख लोगों को नौकरी देंगे। लेकिन साथ में यह बताना जरूरी नहीं समझती हैं कि वह नौकरी कहां होगी? क्या सरकारी नौकरियों में बढ़ोतरी की जा रही है या उद्योग-धंधे स्थापित किए जाएंगे, जिनमें नौकरियां मिलेंगी? दूरगामी विकास की कोई योजना किसी पार्टी के प्रचार में सुनाई नहीं देती है। देश की ढांचागत गड़बड़ियों को दूर करने के बारे में बात नहीं होती है। किसानों को सम्मान निधि दी जाएगी लेकिन कृषि की लागत कम हो, उनका मुनाफा बढ़े और उन्हें सिंचाई के लिए मॉनसून पर न निर्भर रहना पड़े इसकी घोषणा नहीं होती है। महिलाओं को आरक्षण देने का कानून बना देंगे और उनके लिए मुफ्त बस पास भी बनवा देंगे लेकिन राजनीति में उन्हें बराबर की भूमिका नहीं देंगे। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में औसतन 10 फीसदी महिला उम्मीदवार मैदान में हैं। दुनिया के किसी लोकतंत्र में ऐसी हिप्पोक्रेसी देखने को नहीं मिलेगी कि नेता कहेंगे कुछ और करेंगे कुछ और। सबका ध्यान सिर्फ इस बात पर होता है कि चुनाव कैसे जीता जाए। सारी बुद्धि इसमें लगानी है कि क्या कहने से या क्या मुफ्त में देने से जनता वोट देगी। चुनाव जीत गए फिर तो जो मन में हो वह करेंगे। जनता भी वोट देने के बाद सब कुछ भूल कर अपने रोजमर्रा के संघर्षों में लग जाती है। जनता को याद भी नहीं रहता है कि किस पार्टी ने क्या वादा किया था। आखिर 2014 का चुनाव नरेंद्र मोदी पेट्रोल, डीजल सस्ता करने, डॉलर सस्ता करने, काला धन वापस लाने, महिलाओं का सम्मान बहाल करने, महंगाई रोकने और भ्रष्टाचार रोकने के नाम पर लड़े थे। लेकिन नौ वर्षों में इसका बिल्कुल उलटा हुआ है। पेट्रोल, डीजल के दाम दोगुने हो गए और डॉलर की कीमत भी डेढ़ गुनी हो गई। न काला धन वापस आया और न महंगाई घटी। लेकिन लोग उसे भूल गए और पांच किलो अनाज के लाभार्थी बन कर वोट देने लगे।

छत्तीसगढ़ में शिक्षा को बेहतर व्यवस्था और शिक्षकों की दरकार, प्रदेश के स्कूलों में 40 हजार पद खाली

रायपुर। प्रदेश के मतदाताओं ने विधानसभा चुनाव में 76.33 प्रतिशत मतदान कर लोकतंत्र के प्रति अपने कर्तव्यों को निभा दिया है। नई सरकार के गठन का मार्ग प्रशस्त कर दिया है। अब बारी भावी सरकार की होगी कि वह मतदाताओं के मुद्दों को पूरी गंभीरता के साथ समझे और उन्हें पूरा करते हुए अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। पहली प्राथमिकता में हमने शिक्षा को चुना है। इसमें प्री स्कूल से लेकर स्कूली शिक्षा, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, चिकित्सा और कृषि शिक्षा में जरूरतों को जोड़ा है।

प्रदेश में ना सिर्फ अच्छे शिक्षकों की जरूरत है, बल्कि शिक्षा की अधोसंरचना को भी मजबूत करने की दरकार है। प्रदेश में आज भी 80 प्रतिशत बच्चों को प्री प्राइमरी की शिक्षा नहीं मिल पा रही है। इसके अलावा स्कूली शिक्षा से ही रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों की भी कमी है। ऐसे में शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक बदलाव की आवश्यकता महसूस की जा रही है। प्रदेश में 56 हजार 512 स्कूल हैं, जहां करीब 60 लाख विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। प्रदेश के करीब छह हजार स्कूलों में प्री नर्सरी की तर्ज पर बालवाड़ी संचालित हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार हर विद्यार्थी के लिए बालवाड़ी की जरूरत है। यहां शिक्षकों की स्थायी नियुक्ति करने की जरूरत है। प्रदेश में राज्य स्तर पर प्री प्राइमरी इंस्टीट्यूट नहीं है जो कि प्री नर्सरी के बच्चों को पढ़ाने के लिए शिक्षकों को विशेष प्रशिक्षण दे सके। प्रदेश के सभी 32 हजार 723 प्राइमरी स्कूलों में बालवाड़ी की जरूरत है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में 10 2 के फार्मेट को पूरी तरह खत्म करके 5 3 3 4 फार्मेट में ढाला जाना है। इसके अनुसार प्री प्राइमरी के लिए तीन साल और कक्षा एक व दो को फाउंडेशन स्टेज माना गया है। इसे मजबूत करने की दरकार है। इसके बाद कक्षा तीन से पांच तक, फिर छह से आठ और चौथे स्टेज में नौवीं से 12वीं तक की शिक्षा शामिल है।

छठवीं से जुड़ें व्यवसाय के पाठ्यक्रम

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार 2030 तक शत-प्रतिशत स्कूलों को व्यावसायिक शिक्षा से जोड़ने का लक्ष्य है। प्रदेश में अभी तक 592 हायर सेकेंडरी स्कूलों में 10 ट्रेड के लिए व्यावसायिक शिक्षा दी जा रही है। इनमें आइटी, आटोमोबाइल, एग्रीकल्चर, ब्यूटी एंड वेलनेस, रिटेल, पीएफएसआइ, टेली कम्युनिकेशन, इलेक्ट्रानिक्स एंड हार्डवेयर मीडिया एंड एंटरटेनमेंट और हेल्थ केयर शामिल हैं।

अंग्रेजी स्कूलों की बढ़ानी होगी संख्या

स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों के खुलने से अभिभावकों का सरकारी स्कूलों के प्रति आत्मविश्वास भी बढ़ा है। दिन-ब-दिन शैक्षणिक व्यवस्था की हालत तो सुधर रही है मगर जर्जर स्कूल भवन और शिक्षकों की कमी अब भी बड़ा चुनावी मुद्दा बना हुआ है। राज्य शासन द्वारा वर्ष 2019 में 14 हजार 580 शिक्षकों की भर्ती की प्रक्रिया पूरी करने के बाद 11 हजार शिक्षक स्कूल पहुंचे हैं। अभी भी 12,489 शिक्षकों की भर्ती की प्रक्रिया जारी है। इसके बाद भी स्कूल शिक्षक विहीन या फिर एकल शिक्षकीय व्यवस्था में चल रहे हैं। नतीजा यह हो रहा है कि विद्यार्थियों को पढ़ाई भी छोड़नी पड़ रही है। लोक शिक्षण संचालनालय के आंकड़ों की मानें तो प्रदेश के करीब चार हजार स्कूल आज भी शिक्षक विहीन और एकल शिक्षकीय हैं। वहीं प्रदेश के 30 हजार स्कूल भवन जर्जर हैं। हालांकि छत्तीसगढ़ सरकार ने मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के तहत 8,000 से अधिक स्कूलों में 2,100 करोड़ रुपये की लागत से मरम्मत व कायाकल्प कराया है, मगर जर्जर स्कूल भवनों का मुद्दा अभी बरकरार है।

विश्वविद्यालयों में ही 64 प्रतिशत पद खाली

प्रदेश में उच्च शिक्षा का हाल बहुत बुरा है। खासकर राजकीय विश्वविद्यालयों में 64 प्रतिशत शिक्षकीय पद खाली हैं। वहीं कालेजों में 42 शैक्षणिक पद खाली हैं। 285 कालेजों में प्रोफेसरों के 682 पद नहीं भर पाए हैं।

नैक की ग्रेडिंग में भी पिछड़े

प्रदेश में सरकारी कालेजों की संख्या 285 है। इनमें प्राइवेट कालेजों की संख्या 244 है। कुल 529 कालेजों में 455 कालेजों को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) से ग्रेडिंग कराने की पात्रता है। अभी तक महज 202 कालेजों का नैक से मूल्यांकन हो पाया है। 253 का होना है। इनमें भी ए ग्रेड या इससे ऊपर ग्रेड का एक ही संस्थान है। बाकी बी या सी ग्रेड के कालेज-विश्वविद्यालय हैं। नैक की ग्रेडिंग किसी भी शिक्षण संस्थान की गुणवत्ता का द्योतक है। प्रदेश में कुल 31 विश्वविद्यालय संचालित हैं। इनमें राज्य सरकार की 15 और निजी क्षेत्र की 16 शामिल हैं।

चिकित्सा शिक्षा में चिकित्सकों की कमी

40 से 60 प्रतिशत चिकित्सा शिक्षक और पैरामेडिकल स्टाफ की कमी है। प्रदेश के रायपुर, बिलासपुर, जगदलपुर, राजनांदगांव, दुर्ग, रायगढ़, अंबिकापुर, कोरबा, महासमुंद और कांकेर में मेडिकल कालेज हैं। इसके अलावा एम्स है। बाकी तीन प्राइवेट मेडिकल कालेज हैं। सभी मेडिकल कालेजों में चिकित्सा शिक्षकों और प्रशिक्षित पैरामेडिकल स्टाफ की कमी है।

तकनीकी शिक्षा में नए ट्रेड की दरकार

राज्य के 36 शासकीय आइटीआइ के आधुनिकीकरण की दरकार है। हालांकि राज्य शासन ने तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास विभाग और टाटा टेक्नोलाजीस के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। लगभग 1188.36 करोड़ की परियोजना के तहत राज्य के 36 आइटीआइ को विकसित करना है। विशेषज्ञों के मुताबिक प्रदेश के इंजीनियरिंग कालेजो में भी नए ट्रेड पर आज की मांग के अनुसार कोर्स संचालित कराने की दरकार है। खासकर युवाओं को आर्टीजन यूजिंग एडवांस टूल, इंडस्ट्रियल रोबोटिक्स एंड डिजिटल मैन्युफैक्चरिंग टेक्नीशियन, मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेस कंट्रोल एंड आटोमेशन ट्रेड, एडवांस सीएनसी मशीनिंग, बेसिक डिजाइनर एंड वर्चुअल वेरिफायर (मेकेनिकल), इलेक्ट्रिक वीकल जैसे नए विषयों पर शार्ट टर्म कोर्स, डिप्लोमा कोर्स और डिग्री कोर्स लाने की आवश्यकता है।

करीब 40 हजार पद स्कूलों में खाली

पदनाम	स्वीकृत सेटअप
प्राचार्य	4,673
व्याख्याता	46,013
प्रधानपाठक मिडिल	12,449
शिक्षक मिडिल	55,096
शिक्षक वर्ग दो एसएसए	24,565
प्रधानपाठक प्राइमरी	31,363
सहायक शिक्षक	87,699
शिक्षक वर्ग तीन एसएसए	33,997
शिक्षक विज्ञान	8,927
कुल स्वीकृत	3,04,782
कुल रिक्त	39,454

अभी वर्गवार पद

शिक्षक वर्ग	पदों की संख्या
सहायक शिक्षक	6,285
शिक्षक	5,772
व्याख्याता	432
कुल पद	12,489

स्कूल छोड़ने वालों की दर

स्कूल स्तर	बालक	बालिका	कुल दर
प्राइमरी स्कूल	0.88	0.59	0.74
मिडिल स्कूल	4.79	3.27	4.03
हाई स्कूल	16.38	11.68	13.13
हायर सेकेंडरी स्कूल	11.18	8.10	9.64

नोटः स्कूल शिक्षा से संबंधित आंकड़े दिसंबर 2022 तक के है।

कुल 15 राजकीय विश्वविद्यालय

सामान्य क्षेत्र में- पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर, महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय बस्तर, जगदलपुर, संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय सरगुजा, अंबिकापुर, अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर, हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग और नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय रायगढ़।

संगीत के क्षेत्र में- इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़।

पत्रकारिता के क्षेत्र में- कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, रायपुर।

मुक्त विश्वविद्यालय- पंडित सुंदरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

कृषि व पशुपालन के क्षेत्र में- इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर, दाऊ वासुदेव चंद्राकर कामधेनु विश्वविद्यालय अंजोरा-दुर्ग, महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय पाटन-दुर्ग।

तकनीकी क्षेत्र में- स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय नेवई, दुर्ग, डा. श्यामाप्रसाद मुखर्जी अंतरास्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, नवा रायपुर।

चिकित्सा क्षेत्र में- पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति स्वास्थ्य विज्ञान एवं आयुष विश्वविद्यालय, नवा रायपुर

कृषि शिक्षा में गुणवत्ता लाना चुनौती

प्रदेश में 31 कृषि कालेज, 11 उद्यानिकी कालेज, चार कृषि अभियांत्रिकी कालेज, एक वानिकी कालेज और एक खाद्य प्रौद्योगिकी कालेज संचालित है। इन कालेजों से प्रति वर्ष तीन हजार से अधिक कृषि विद्यार्थी निकलते हैं। प्रदेश में कृषि स्नातकों के सामने या तो कृषि शिक्षक बनने का विकल्प है या फिर वह कृषि विस्तार अधिकारी बनने की चाहत रखते हैं। ऐसे में इन कृषि आधारित मानव संसाधन को गुणवत्तायुक्त कृषि शिक्षा के साथ कृषि के उद्यम व स्टार्टअप से जोड़ने की आवश्यकता है।

RNI No. CHHHIN/2011/38292
भारत सम्मान NEWS
अम्बिकापुर, बुधवार, 29 नवम्बर 2023

बिना टेंडर तीन करोड़ के कार्य, ठेकेदारों को गुपचुप भुगतान की तैयारी

बिलासपुर । लोक निर्माण विभाग के संभाग क्रमांक एक में छत्तीसगढ़ भवन, सर्किट हाउस की मरम्मत, रोड मार्किंग और डिवाइडरों की रंगाई-पोताई के लिए बिना टेंडर ठेकेदारों को तीन करोड़ का काम दे दिया। मामला उजागर होने के बाद अधिकारी शांत थे। अब फिर से ठेकेदारों को भुगतान करने की तैयारी की जा रही है। दरअसल जिन ठेकेदारों ने पूर्व में रिपेयरिंग का काम ठेकेदारों ने कम दर पर निविदा डालकर लिए थे, उन्होंने अब तक काम शुरू नहीं किया है। अब इसी फंड को बिना टेंडर वाले काम में समायोजित कर भुगतान करने की तैयारी हो रही है।

आमतौर पर पहले टेंडर जारी होता है। इसके बाद ही ठेकेदारों कार्यादेश जारी किया जाता है, लेकिन लोक निर्माण विभाग के संभाग क्रमांक एक में उल्टी गंगा बह रही है। यानी पहले ठेकेदारों से काम पूरा करा लिया गया। इसके बाद अब टेंडर जारी किया जा रहा है। तत्कालीन ईई बीएल कापसे के कार्यकाल के दौरान ये सभी कार्य स्वीकृत हुए हैं। मीडिया को चार कार्यों के टेंडर के दस्तावेज मिले हैं। यह कार्य करीब एक करोड़ का है। टेंडर में सात लाख 41 हजार में बिलासपुर-रतनपुर फोरलेन के किमी 1/2 से 4/4 बराबर 3.40 किमी तक डिवाइडर में पेंटिंग, 17 लाख 50 हजार में बिलासपुर—रतनपुर मार्ग के किमी 1/2 ये 4/4 बराबर 3.40 किमी तक रोड मार्किंग, 19 लाख 96 हजार में बिलासपुर—रतनपुर मार्ग में 4/4 से 8/4 बराबर 4 किमी तक रोड मार्किंग कार्य व 19 लाख 98 हजार की लागत से 8/6 से 9/4 बराबर एक किलोमीटर तक डिवाइडर पेंटिंग कार्य हुए हैं।

ईई ने रिसीव नहीं किया फोन

मामले की जानकारी के लिए लोक निर्माण विभाग संभाग क्रमांक एक के कार्यपालन अभियंता सीके पांडेय से उनके मोबाइल पर संपर्क किया गया। बार-बार घंटी बजने के बाद भी उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया। वाट्सएप मैसेज भेजने पर भी किसी प्रकार की प्रतिक्रिया नहीं मिली।

दो ठेकेदार को करीब दो करोड़ का काम

आधीरात स्कार्पियो और कार में तोड़फोड़ करने आए बदमाश, एक युवक को पकड़ा गयाआधीरात स्कार्पियो और कार में तोड़फोड़ करने आए बदमाश, एक युवक को पकड़ा गया लोक निर्माण विभाग के अफसरों के कुछ चहेते ठेकेदार भी हैं। उन्हें अधिकारी दिल खोलकर करोड़ों रुपये का काम सौंप रहे हैं। ऐसे ही दो ठेकेदार हैं, जिन्हें करीब दो करोड़ का वर्क आर्डर जारी कर दिया गया वह भी बगैर टेंडर। खबर है कि भुगतान के लिए संबंधित ठेकेदार और अफसर के बीच लगातार बैठकें हो रही हैं। यह भी जानकारी मिल रही है कि भुगतान के लिए अफसर पूर्व में जारी टेंडर की राशि को इस नान एग्रीमेंट वाले कार्य में समायोजित करने की तैयारी में हैं।

वर्क आर्डर के बाद भी कार्य नहीं हुए शुरू

लोक निर्माण विभाग संभाग क्रमांक एक की ओर से 20 लाख से कम के रिपेयरिंग कार्यों के लिए मैनुअल टेंडर जारी हुए थे। इसमें कुछ ठेकेदारों ने कम दर तो किसी ने अधिक दर पर ठेका लिया है। जिन ठेकेदारों ने कम दर पर निविदा ली है वह अब तक काम शुरू नहीं किया है।

काम पूरा होने के बाद टेंडर हो रहा जारी

लोक निर्माण विभाग की ओर से गड़बड़ी पर पर्दा डालने के लिए चार कार्य का टेंडर जारी किया गया है। इसका क्रमांक 6715/एनआइटी—16/2023—24/वलेलि दिनांक 4.10.2023 है। क्रय करने का आवेदन की अंतिम तिथि 12.10.2023, ठेकेदार द्वारा निविदा प्राप्त करने की तिथि 19.10.2023 और निविदा खोलने की तिथि 20 अक्टूबर 2023 है।

सार-समाचार

शराब पीने के लिए पैसे नहीं देने पर दो लोगों की पिटाई

कोरबा। काम करने के बाद रात में घर लौट रहे दो युवकों से अलग अलग जगह पर युवकों ने शराब पीने के लिए पैसा मांगा और नहीं देने उनकी पिटाई कर दी। पहली घटना शहर के सिटी कोतवाली अंतर्गत राताखार के गौर चैक के पास हुई। जहां निवासरत खोलबहरा उरांव ट्रांसपोर्ट नगर के एक गैरेज में काम करता है। रात नौ बजे काम करके वह अपने घर लौट रहा था। इस दौरान उसके ही मोहल्ले के धन्नू उर्फ बबलू कंवर व लल्ली नामक दो युवकों ने उसे रोका। उन्होंने शराब पीने के लिए पैसा मांगा। खोलबहरा ने मना किया तो उन्होंने गाली गलौच कर जान से मारने की धमकी देते हुए उससे मारपीट की। डंडे के साथ ही ईंट से हमला करने पर खोलबहरा का सिर फूट गया। इसी तरह ट्रांसपोर्ट नगर के कार सिंगार दुकान में मेकेनिक का काम करने वाला महावीर रोहिदास भी रात में छुट्टी होने पर घर लौट रहा था। वह अपने घर के पास गली में पहुंचा था, तभी मोहल्ले का दीपकदास रोहिदास मिला और उसने रोककर शराब पीने के लिए सौ रुपए देने को कहा। महावीर ने मना किया तो उसने मारपीट की। जानकारी मिलते ही उसके रिश्तेदारों पहुंचे और बीच बचाव मामला शांत कराया।

अधेड़ से मारपीट

रायपुर। नागेश्वर नगर बीरगांव में दो युवकों ने एक अधेड़ से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थी की शिकायत पर उरला पुलिस ने आरोपियों के खिलाफअपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी अशोक साहू 63 वर्ष नागेश्वर नगर बीरगांव का रहने वाला है। बताया जाता है कि आरोपी सोहन साहू एवं भरत साहू ने पूर्व विवाद को लेकर प्रार्थी से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थी की शिकायत पर उरला पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 294, 506, 323, 34 के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

युवक पर चाकू से हमला

रायपुर। मदर टेरेसा आश्रम के सामने चार अज्ञात व्यक्ति ने युवक से गाली-गलौज कर चाकू से मारकर चोट पहुंचाया। प्रार्थी की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी प्रकाश काडु 47 वर्ष गांधी नगर अमलीडीह का रहने वाला है। बताया जाता है कि प्रार्थी के लड़का तन्मय काडु ट्यूशन पढ़कर बाइक से घर लौट रहा था, तभी दो बाइक में चार अज्ञात लड़के आया और तन्यम से गाली-गलौज कर चाकू से मारकर चोट पहुंचाया। प्रार्थी की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने आरोपियों के खिलाफधारा 341, 294, 506, 324, 34 के तहत अपराध दर्ज किया है।

पुरानी रंजिश के चलते युवक को पीटा

रायपुर। ग्राम निसदा में पुरानी रंजिश के चलते तीन लोगों ने एक युवक से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थी की शिकायत पर आरंग पुलिस ने आरोपियों के खिलाफअपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी छोटेलाल निषाद 23 वर्ष ग्राम निसदा का रहने वाला है। बताया जाता है कि आरोपी सूर्यकांत निषाद, विश्वा निषाद एवं अन्य ने पुरानी रंजिश के चलते प्रार्थी से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थी की शिकायत पर आरंग पुलिस ने आरोपियों के खिलाफधारा 294, 323, 34 के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

रायपुर में अस्पताल की तीसरी मंजिल से छलांग लगाकर मरीज ने दी जान, ओडिशा का रहने वाला था मृतक

रायपुर। राजेंद्र नगर थाना स्थित श्री अनंत साईं अस्पताल से मरीज ने तीसरे फ्लोर से कूदकर जान दे दी। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक मरीज के अस्पताल से कूदने का वीडियो सामने आया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार श्री अनंत साईं अस्पताल में बहादुर बारिया (43) निवासी मडिया दीपा थाना पैटमल जिला बरगढ़ ओडिशा इलाज करवाने के लिए 16 नवंबर को अस्पताल में भर्ती हुआ था। आर्थो डिपार्टमेंट में उसका इलाज चल रहा था। 23 नवंबर को तकलीफ होने पर बहादुर का चेकअप किया गया। जांच रिपोर्ट के बाद उसके चेस्ट में समस्या बताई गई। जिसकी वजह से वह काफी परेशान हो गया। उसे इलाज का खर्च सताने लगा। जिसके बाद उसने हास्पिटल उसी दिन दोपहर को उसने तीसरे फ्लोर की खिड़की से कूद गया। तत्काल उसे अस्ताल में भर्ती करवाया गया, लेकिन उसकी मौत हो गई।

वीडियो आया सामने

घटना का दर्दनाक वीडियो सामने आया है। जिसमें मरीज खिड़की से लटकता दिख रहा है। हालांकि अंदर से एक व्यक्ति उसे पकड़ने का प्रयास कर रहा है। नीचे कुछ लोग उसका वीडियो बना रहे थे। लोग उसे रूकने के लिए भी बोल रहे थे। लेकिन उसके किसी की नहीं सुनी और वह कूद गया।

रायपुर में क्रिकेट का क्रेज, रात तीन बजे से टिकट के लिए लाइन में लग गए स्टूडेंट्स

रायपुर। रायपुर में भारत-आस्ट्रेलिया मैच की टिकट के लिए स्टूडेंट्स की भीड़ उमड़ पड़ी है। यह मैच एक दिसंबर को खेला जाएगा। यह मैच शाम 7 बजे से खेला जाएगा। मैच की टिकट की ऑनलाइन बुकिंग जारी है। रात तीन बजे से स्टूडेंट्स का जमावड़ा टिकट काउंटर के पास लगना शुरू हो गया था। ये बिलासपुर, दुर्ग-भिलाई और राजनांदगांव समेत अन्य जगहों से पहुंचे थे। दरअसल सबसे सस्ता टिकट एक हजार रुपये का है, जो केवल स्टूडेंट्स को मिल रहा है। इसकी वजह से भारी भीड़ उमड़ी है। इसकी बिक्री आज सुबह से सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम, बुढ़ापारा रायपुर में जारी है। इसके लिए पात्र छात्रों को पहचान पत्र दिखाना होगा। साथ ही पहचान पत्र की एक फोटो कापी काउंटर में जमा करनी होगी। जिसके बाद ही उन्हें टिकट मिलेगी।

मैच की पूरी सुरक्षा का जिम्मा आइजी के पास

मैच की पूरी सुरक्षा का जिम्मा आइजी रतन लाल डांगी को सौंपा गया है। क्रिकेट स्टेडियम समेत आसपास के क्षेत्रों में एक हजार से अधिक पुलिस जवानों को तैनात करने का फैसला लिया गया है। साथ ही दो आइजी, तीन डीआइजी, आठ एसपी, 16 एडिशनल एसपी, 30 डीएसपी और 80 निरीक्षक स्तर के अधिकारियों के कंधों पर सुरक्षा की कमान रहेगी।

29 को पहुंचेगी टीम

29 नवंबर को भारत और आस्ट्रेलिया की टीम रायरपुर पहुंच जाएगी। 30 नवंबर को अभ्यास करेंगी। होटल से कड़ी सुरक्षा के बीच खिलाड़ी अभ्यास करने पहुंचे। इसके बाद एक दिसंबर की शाम सात बजे से टी-20 का रोमांच देखने को मिलेगा।

पार्किंग इतने रुपये में मिलेगी

स्टेडियम के पार्किंग में दोपहिया वाहनों से लेकर चारपहिया वाहन रखने की सुविधा होगी। इसकी जिम्मेदारी ग्रामीणों को सौंपी गई। दोपहिया वाहनों के लिए 10 रुपये और चारपहिया के लिए 30 रुपये खर्चे करने होंगे। अच्छी मोबाइल कनेक्टिविटी के लिए अस्थायी टावर की भी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा आसपास बनाए जा रहे पार्किंग एरिया का भी निरीक्षण किया जा रहा है। बायो टायलेट के साथ-साथ आपात चिकित्सा व्यवस्था भी सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं।

काल उठाते ही मोबाइल हैक कर ठगी की वारदात को दे दिया अंजाम, 10 बार में निकाल लिए 96 हजार

रायपुर। साइबर ठगों ने लोगों को नए तरीके से ठगना शुरू कर दिया है। अब उनका काल रिसीव करते ही फोन हैक कर लेते हैं। इसके बाद उस नंबर से रजिस्टर्ड बैंक खाते की पूरी रकम पार कर देते हैं। सरस्वती नगर इलाके में रहने वाले एक व्यक्ति के साथ ऐसा ही हुआ है। दो अनजान नंबरों से उन्हें काल आया। इसके बाद उनका मोबाइल हैक हो गया और उनके क्रेडिट कार्ड से 96 हजार रुपये से ज्यादा पार हो गए। कोटा कालोनी निवासी शेषनारायण कसार के मोबाइल पर 23 अक्टूबर को दो अनजान मोबाइल नंबरों से काल आया। उन्होंने काल रिसीव किया। उनके मोबाइल में काल फारवर्ड एक्टिव हो गया। इसके कुछ देर बाद उनके क्रेडिट कार्ड से 10 बार ट्रांजेक्शन हो गए। इससे उनके बैंक खाते से 96 हजार 726 रुपये कट गए। इसकी जानकारी उन्हें एसबीआइ बैंक से मिली। पीड़ित ने पुलिस में शिकायत की।

क्या है काल फारवर्ड स्कैम

काल फारवर्डिंग स्कैम काफी बढ़ रहा है। इसमें साइबर ठग मोबाइल नेटवर्क आपरेटर बनकर फोन करते हैं। फिर कहते हैं कि आपका अकाउंट हैक कर लिया गया है या आपके सिम कार्ड में कोई समस्या आ गई है। इसके बाद समस्या का समाधान बताते हुए अपने फोन से 401 से शुरू होने वाला एक नंबर डायल करने को कहते हैं। ऐसा करते ही उस मोबाइल के सभी काल ठग के एक नंबर पर ही फारवर्ड हो जाएंगे।

RNI No. CHHHIN/2011/38292
भारत सम्मान NEWS
अम्बिकापुर, बुधवार, 29 नवम्बर 2023

जिला मुख्यालयों में मतगणना की तैयारी पूरी, सबसे अधिक 30 चक्रों में कवर्धा में होगी मतों की गिनती

रायपुर। विधानसभा चुनाव में 90 सीटों के लिए दो चरणों में हुए मतदान की मतगणना तीन दिसंबर को होगी। सभी 33 जिला मुख्यालयों में इसकी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सभी मतगणना केंद्रों में प्रेक्षकों की निगरानी में होने वाली मतगणना के लिए प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए 14 टेबल लगाए गए हैं। कवर्धा में सबसे अधिक 30 चक्रों में मतगणना होगी। इसके बाद कसडोल में 29 चक्र होंगे, वहीं सबसे कम मनेंद्रगढ़ व भिलाई नगर में 12 चक्रों में मतगणना होगी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रीना बाबासाहेब कंगाले ने बताया कि मतों की गिनती सुबह आठ बजे से शुरू होगी, जिसमें सबसे पहले सेवा मतदाताओं के मतों की गणना होगी। सबसे पहले ईटीपीबीएस (इलेक्ट्रानिकली ट्रांसमिटेड पोस्टल बैलेट सिस्टम) से प्राप्त मतों के क्यूआर कोड की स्कैनिंग की जाएगी। उसके बाद डाक मतपत्रों की गिनती शुरू होगी। साढ़े आठ बजे के बाद सभी टेबलों पर एक साथ मतगणना शुरू होगी।

स्ट्रांग रूम में रहेगा त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरा

मतदान के बाद ईवीएम को सभी जिला मुख्यालयों में स्ट्रांग रूम में त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरे में रखा गया है। पूरी मतगणना प्रक्रिया की रिकार्डिंग भी रखी जाएगी। इस दौरान प्रेक्षक तथा रिटर्निंग आफिसर को छोड़कर मतगणना कक्ष में किसी को भी मोबाइल ले जाने की अनुमति नहीं होगी। इसके अलावा कोई भी अन्य व्यक्ति अन्य इलेक्ट्रानिक उपकरण यथा आइपेड, रिकार्डर, वीडियो, कैमरा जैसे अन्य उपकरण नहीं ले जा सकेंगे। कड़ी सुरक्षा के बीच मतगणना केंद्रों में होने वाली मतों की गिनती के दौरान बिना प्राधिकार पत्र के किसी भी व्यक्ति को मतगणना कक्ष में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी।

1,181 प्रत्याशियों के भाग्य का होगा फैसला

तीन दिसंबर को 1,181 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला होगा। इस दौरान प्रत्याशी भी टेबल पर जाकर मतगणना को देख सकेंगे, जबकि प्रत्याशी के अभिकर्ता सिर्फ निर्धारित टेबल पर ही मतगणना का निरीक्षण करेंगे। मतगणना की पूरी कार्रवाई मतगणना प्रेक्षक तथा सामान्य प्रेक्षक की उपस्थिति और निगरानी में होगी। इस दौरान प्रत्येक राउंड की समाप्ति पर अभ्यर्थी या उनके अभिकर्ता की उपस्थिति एवं प्रेक्षक की निगरानी में रैंडम आधार पर किसी दो कंट्रोल यूनिट की जांच की जाएगी। इसके अलावा सभी चक्रों की गणना पूर्ण होने पर पांच वोटर वेरिफाएबल पेपर आडिट ट्रेल (वीवीपैट) का ड्रा के माध्यम से चयन कर मतों का सत्यापन किया जाएगा।

गोदाम से निकले सिलिंडरों में एक से दो किलोग्राम कम मिली गैस

बिलासपुर । घरेलू गैस सिलिंडर की रिफलिंग की सूचना प्राप्त होने पर खाद्य विभाग के अधिकारियों की टीम ने संयुक्त रूप से छापामार कार्रवाई की। 94 गैस सिलिंडरों की जब्ती बनाई। मौके पर सिलिंडरों की तौल कराने पर प्रत्येक सिलिंडर में तय मानक से एक से दो किलोग्राम गैस कम मिली। मौके पर अवैध रूप से रिफलिंग करने का यंत्र भी मिला है। सिलिंडर भरे वाहनों की जब्ती बनाकर सरकंडा पुलिस के हवाले किया गया है। खाद्य विभाग ने अभिनव गैस एजेंसी के संचालक के खिलाफ प्रकरण पंजीबद्ध कर कार्रवाई की जा रही है।

अभिनव गैस एजेंसी की मोपका-चिल्हाटी मार्ग पर स्थित गैस गोदाम के समीप तीन वाहन क्रमश: सीजी 10 बीएल 8360 सीजी 10 आर 0239 एवं सीजी 10 एएन 1947 में घरेलू गैस सिलिंडर लोड हुआ रखा था। इसकी संख्या क्रमश: 32 नग 30 नग एवं 32 थी। मौके पर उपस्थित वाहन चालकों के समक्ष खाद्य विभाग के अफसरों ने गैस सिलिंडरों का तौल पत्रक तैयार कराया। वाहन में रखे गैस सिलिंडरों की तौल कराई। तौल करने पर प्रत्येक घरेलू गैस सिलिंडर में एक से दो किलोग्राम वजन निर्धारित वजन सीमा से कम पाई गई। मौके पर विभाग के अफसरों को गैस सिलिंडर रिफलिंग का एक यंत्र भी मिला है। अफसरों ने तीनों वाहन के चालकों का बयान लेकर पंचनामा तैयार किया है। वाहन चालकों ने प्रत्येक सिलिंडर से एक से दो किलोग्राम गैस निकालकर खाली गैस सिलिंडरों को भरने एवं उन्हें विक्रय करना स्वीकार किया। मौके से प्राप्त गैस सिलिंडरों को वाहन सहित पुलिस थाना-सरकंडा की सुपुर्दगी में सौंप दिया है। अनियमितता के संबंध में अभिनव गैस एजेंसी बिलासपुर के प्रोपाइटर संचालक एवं वाहन चालकों के विरुद्ध प्रकरण पंजीबद्ध कर आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के प्रविधान के तहत अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

चीतल के लिए बिछाया था करेंट, हाथी की चली गई जान

बिलासपुर। खुड़िया रेंज के भूतकछार में हाथी के शिकार के मामले में मुख्य आरोपित की पहचान हो गई है। वन विभाग ने जिन छह संदेहियों को पकड़ा था, उनमें ही एक मुख्य आरोपित निकला। पूछताछ में पांच अन्य आरोपितों के नाम सामने आए हैं। वहीं पांच संदेहियों को पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया। फरार आरोपितों की तलाश जारी है।

घटना ग्राम भूतकछार अंतर्गत कक्ष क्रमांक 486 की है। डाग की मदद से वन विभाग ने छह संदेहियों को

पकड़ा। सख्ती से पूछताछ भी की जा रही थी। पूछताछ के दौरान संदेहियों में एक महेंद्र मरावी, निवासी सरगढ़ी ही मुख्य आरोपित निकला। पांच अन्य को छोड़ दिया गया। मुख्य आरोपित से पूछताछ की गई तब उसने पांच अन्य ग्रामीणों की संलिप्तता की जानकारी दी। पांचों फरार हैं। आरोपित ने यह भी बयान दिया कि करेंट उन्होंने जंगली सूअर, चीतल आदि जानवरों के लिए बिछाया था। लेकिन, हाथी इसमें फंस गया। आरोपित के खिलाफ वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे 14 दिन की रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। इधर फरार आरोपितों के संबंध में वन विभाग की खोजबीन शुरू कर दी है। इसमें पुलिस से भी सहयोग लिया जा रहा है। मुंगेली वनमंडल के डीएफओ सत्यदेव शर्मा ने बताया कि पांच अन्य आरोपितों की पहचान हो गई। लेकिन, उनका नाम उजागर नहीं किया जा रहा है। भनक लगते ही वह फरार हो सकते हैं। ऐसे में उन्हें गिरफ्तार करने में दिक्कत हो सकती है।

हाइवा की टक्कर से महिला की मौत, पति घायल

बाइक को तेज रफ्तार हाइवा के चालक ने टक्कर मार दी

बिलासपुर। काम से लौट रहे राजमिस्त्री की बाइक को तेज रफ्तार हाइवा के चालक ने टक्कर मार दी। इससे राजमिस्त्री की पत्नी बाइक से गिरकर हाइवा के पहियो के नीचे आ गई। हादसे में महिला की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर चीरघर भेज दिया है। घटना की शिकायत पर पुलिस ने जुर्म दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। कोटा क्षेत्र के ग्राम घोंघाडीह में रहने वाले राकेश कुमार केंवट राजमिस्त्री हैं। उनकी पत्नी निर्मला भी साथ में ही रेजा का काम करती थी। मंगलवार को राकेश अपनी पत्नी को लेकर काम पर बिलासपुर आए थे। यहां काम करने के बाद पति-पत्नी बाइक पर बैठकर गांव लौट रहे थे। बाइक सवार पति-पत्नी शाम पांच बजे के करीब लोखंडी स्थित एफएम कालोनी के पास पहुंचे थे। इसी दौरान सामने से आ रहे हाइवा के चालक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हाइवा की टक्कर से बाइक सवार निर्मला और राकेश सड़क पर गिर गए। हाइवा का पहिया निर्मला के सिर के ऊपर से निकल गया। वहीं, राकेश दूर जाकर गिरे थे। उन्होंने आसपास के लोगों की मदद से निर्मला को अस्पताल पहुंचाया। यहां पर डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर शव चीरघर भेज दिया। सूचना पर सकरी पुलिस ने शव कब्जे में ले लिया है। बुधवार को शव का पीएम कराया जाएगा। राकेश की शिकायत पर सकरी पुलिस ने जुर्म दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

आधीरात स्कार्पियो और कार में तोड़फोड़ करने आए बदमाश, एक युवक को पकड़ा गया

बिलासपुर। सिरगिट्टी तिफरा के विकास नगर में आधीरात कुछ बदमाश हाथों पर हथियार लेकर पहुंचे और घर के बाहर खड़ी स्कार्पियो व एक कार में तोड़फोड़ शुरू कर दी। इस दौरान वाहन मालिको और मोहल्लेवासियों ने तोड़फोड़ करने वाले एक युवक को पकड़ लिया, जबकि उसके अन्य साथी फरार होने में सफल रहे। पकड़े गए युवक को पुलिस को सौंपा गया है, पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

तिफरा के विकास नगर में रहने वाले रविंद्र लहरे फोटोग्राफी करते हैं। सोमवार की रात वे अपनी स्कार्पियो को घर के बाहर खड़े कर सोने के लिए चले गए। रात करीब 12 बजे पड़ोसी ने उन्हें जगाकर बताया कि कुछ लोग उनकी स्कार्पियो में तोड़फोड़ कर रहे हैं। इस पर वे घर से बाहर निकले। बाहर में खड़े स्कार्पियो के सामने का कांच, विंडो, टच प्लेयर, बंपर और फेंडर टूटा हुआ था। वहीं, पास में ही हरि गुप्ता की कार खड़ी थी। बादमाशों ने उसमें भी तोड़फोड़ की थी। मोहल्ले के लोगों ने तोड़फोड़ करने वाले युवक को पकड़ लिया। उसे पुलिस को सौंप दिया गया। पूछताछ में युवक की पहचान साहिल निर्मलकर निवासी सैदा के रूप में हुई है। फोटोग्राफर ने घटना की शिकायत सिरगिट्टी थाने में की है। इस पर पुलिस ने जुर्म दर्ज कर मामले को जांच में लिया है।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक जितेन्द्र जायसवाल द्वारा जायसवाल प्रिंटिंग प्रेस राघवपुरी, डीगमा, अम्बिकापुर, छत्तीसगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। संपादक जितेन्द्र जायसवाल। मो.नं.-09424262547